विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की भजनलाल सरकार

यह सरकार की ईच्छा शक्ति और अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का ही परिणाम है कि सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान की सफलता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेशभर में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई। अभियान के दौरान खास बात यह रही कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान केवल खाना पूर्ति बनकर नहीं रह जाये, इस कारण अवैध खनन की जड़ पर प्रहार करने पर जोर दिया गया। अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते वाहनों की पकड़ा-पकड़ी तक ही सीमित नहीं रहकर स्रोत को खोजने और उस पर कार्यवाही करने पर बल दिया गया। परिणाम भी आशा से अधिक उत्साहजनक प्राप्त हुए। जिला कलक्टरों को पांच विभागों यथा माइंस, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग के संयुक्त अभियान के संचालन, मोनेटरिंग, समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। इससे पुलिस व प्रशासन की सक्रिय भागीदारी भी तय हो सकी।

अभियान को आंकड़ों में समझा जाएं तो अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्य व्यापी अभियान के दौरान 2643 कार्यवाहियां की गई, इसमें भी यह पहला मौका होगा जब बड़े स्तर पर अवैध खनन स्थलों पर 613 कार्यवाहियां की गई। पुलिस में 564 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई और इस दौरान अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 264 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 12 करोड़ 62 लाख से अधिक का ढ़ाई लाख टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। 54 एक्सक्वेटर, 69 जेसीबी, 6 क्रेन और 1773 वाहनों को जब्त किया गया। मौके पर ही 12 करोड़ 76 लाख रु. से अधिक का जुर्माना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। इसके साथ ही गोपनीय सूचनाओं से प्राप्त जानकारी पर दूसरे जिलों के अधिकारियों की टीम को भेज कर कार्यवाही की गई और करोड़ों रुपयों का जुर्माना लगाया गया। खास बात यह रही कि कई कार्यवाहियों में तो जिला कलक्टर स्वयं मौके पर पहुंचे। सवाल आंकड़ों का नहीं हैं। सवाल सरकार के गुणगान करने का भी नहीं है अपितु सवाल सरकार की इच्छा शक्ति और माइंस विभाग की मशीनरी के सक्रिय होकर कार्यवाही करने का है और इतने कम समय में जिस तरह से योजनाबद्ध तरीके से अन्य विभागों के साथ ही माइंस विभाग की मशीनरी ने काम किया वह सराहनीय है।

खास बात यह कि सरकार नई, मुख्यमंत्री नए, मुख्य सचिव नए, खान सचिव नए और माइंस निदेशक का पद रिक्त होने के बावजूद खनन माफिया के खिलाफ अभियान की चंद घंटों में ही इतनी चाक चोबंद कार्ययोजना तैयार की गई कि परिणाम आने पर अभियान की सफलता पर संदेह उठाने वालों को भी दांतों तले उंगली दबानी पड़ी। इसे यों समझा जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद दिसंबर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 15 दिसंबर को शपथ ली, जनवरी के पहले सप्ताह 1 जनवरी कों नए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कार्यभार संभाला। 10 जनवरी को आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में आनन्दी को खान सचिव लगाया गया और अगले दिन खान सचिव के कार्यभार संभालते ही यानी कि 11 जनवरी को देर शाम मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि स्वयं खान मंत्री भी है, द्वारा खान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में अगले दिन 12 जनवरी को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 15 जनवरी से 31 जनवरी, 2024 तक खान, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश जारी कर दिए। इसके लिए जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कमेटी की बैठक तत्काल आयोजित कराने और जिला कलक्टर के निर्देशन में राज्य व्यापी अभियान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जिला कलक्टरों के नाम जारी निर्देशों में चैक लिस्ट भी जारी की। मांइस डिपार्टमेंट को एक्टिवेट करने की जिम्मेदारी माइंस सचिव आनन्दी ने संभाली और पूरी मशीनरी चंद घंटों में ही एक्टिवेट हो गई। शासन सचिव माइंस स्तर पर मोनेटरिंग के साथ ही मुख्यालय उदयपुर में अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस को समन्वयक प्रभारी बनाया गया। अभियान में जनभागीदारी तय करने के लिए 24 गुणा 7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एसएमई स्तर के अधिकारी को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी बनाया गया। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष का अलग से मोबाईल नंबर भी जारी किया गया जिस पर प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटे में कार्यवाही के निर्देश देते हुए प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही की प्रभावी मोनेटरिंग सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही उच्च स्तर पर गोपनीय तरीके से प्राप्त शिकायतों/जानकारी पर गोपनीय तरीके से अन्य स्थानों से अधिकारियों की टीम भेज कर कार्यवाही की गई, जिसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान की सफलता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेशभर में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सफल अभियान चलाकर उस आम मिथक को भी तोड़ दिया है जिसमें सरकार की अभियानों के प्रति गंभीरता को लेकर प्रश्न उठाया जाता है। बल्कि कहना यह चाहिए कि जिस तरह से डिजास्टर मैनेजमेंट में काम होता है ठीक उस तरह से प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान संचालित किया गया और आमजन में सरकार की जीरो टॉलरेंस की प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। लाख आरोप प्रत्यारोप लगाए जाये पर इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अभियान को सफल बनाने में खान विभाग की टीम ने जिस तरह से सरकार की मंशा और इच्छा शक्ति को अमलीजामा पहनाया है वह भी सराहनीय है। अभियान समाप्त हो गया है पर अभियान की स्प्रिट यानी की भावना कि अवैध खनन गतिविधियां नहीं होने देनी है इसके लिए मशीनरी को चाक चोबंद होना पड़ेगा तभी अभियान अपने उद्देश्यों में कामयाब हो सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

सुनियोजित विकास की सोच से जुड़ा राजस्थान का अंतरिम बजट

डॉ. अरुणा व्यास

राज्य सरकार में वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा हाल ही में राजस्थान का जो अंतरिम बजट पेश किया है वह बहुत सुनियोजित एवं दीर्घकालीन विकास से जुड़ा हैं। ऐसे समय में जब राजस्थान ऋण के जाल में डूबा हुआ है, इस बजट में भविष्य की सम्भावनाएं दिखाई देती है। युवाओं के लिए 70 हजार नौकरियों की घोषणा हो या बजट के अन्तर्गत राजस्व का घाटा कम करके सकल घेरलु दर (जी.डी.पी) बढ़ाने के दूसरे प्रावधान सभी महत्वपूर्ण है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालिक ऋण देने, जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने, 'लाडो प्रोत्साहन योजना' आदि के अंतर्गत सुनियोजित सोच से विकास के साथ अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस अंतरिम बजट में युवाओं के लिए सरकारी क्षेत्र में ही नहीं निजी क्षेत्र में भी स्वर्णिम भविष्य तलाशत हुए विशेष प्रावधान किया गया है। युवाओं के कौशल विकास और करियर निर्माण के लिए राज्य के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव इसी तरह का है। इसके अंतर्गत 10 करोड़ रुपये खर्च कर कार्य करने से युवाओं के भविष्य की उज्ज्वल राहों का निर्माण हो सकेगा। इसी तरह कृषि क्षेत्र के लिए जो घोषणाएं की गई है उससे राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से सुदृढ़ होगी। मैट्रों की रूकी हुई सीतापुरा से अंबाबाड़ी की योजना भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस समय मैट्रों जयपुर के लिए बहुत अधिक फायदेमंद नहीं है। क्या कारण रहे कहा नहीं जा सकता परन्तु मैट्रों के प्रथम चरण में ही अगर सीतापुरा से अंबाबाडी का रूट निर्धारित होता तो जयपुर महानगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था में सुधार होता।

बजट में लगभग सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। एक महत्वपूर्ण पहलू इस बजट का यह भी है इसमें अल्प आय वर्ग, लघु सीमा क्षेत्र के किसानों को केन्द्र में रखकर जो घोषणाएं की गई है वह समावेशी विकास की ओर बढ़ाएं गये कदम है। अंतरिम बजट में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए व्यावहारिक घोषणाएं की गई है। गरीब परिवार में बेटी पैदा होने पर 'लाडो योजना', गर्भवती महिला को दी जाने वाली राशि में वृद्धि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका आशा के भत्तों में बढ़ोतरी आदि से महिलाओं का सशक्तिकरण होगा। गरीब बच्चों के के.जी. से पी.जी. की नि:शुल्क किये जाने की घोषणा भी प्रदेश के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

राजस्थान पर्यटन की विविध संभावनाओं वाला प्रदेश है। इस दृष्टि से अंतरिम बजट में महाराणा प्रताप पर्यटन सर्किट, संग्रहालयों के विकास, धार्मिक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने वाली है।

लेखानुदान में जल, विद्युत आपूर्ति के साथ प्रदेश के विकास में संतुलन साधा गया है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के तहत प्रदेश के 21 जिलों को लाभ देने के अंतर्गत उपलब्ध पानी की मात्रा बढ़ाने हेतु आवश्यक राशि 37 हजार 250 करोड़ रुपए को बढ़ाकर लगभग 45 हजार करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा महत्वपूर्ण है। यही नहीं 25 लाख परिवारों को नल से जल योजन से लाभान्वित करने से पेयजल की समस्या से जूझ रहे परिवारों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा।

कृषि को अंतिम बजट में विशेष महत्व दिया गया है। इसके अंतर्गत राजस्थान एग्रीक्लचर इन्फ्रा मिशन के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान महत्वपूर्ण है। मोटे अनाज के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि यूनेस्को ने भारत की पहल पर मोटा अनाज वर्ष मनाने की पहल की है। राजस्थान में सर्वाधिक मोटा अनाज होता है। इसके उत्पादन को और बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों को अपनी आवश्यकता का अनाज पैदा करने की दृष्टि से आगामी वर्ष 12 लाख किसानों को मक्का, आठ लाख किसानों को बाजरा, सात लाख किसानों को सरसों, चार लाख किसानों को मूंग एवं 1-1 लाख किसानों को ज्वार व मोठ के उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध करवाने की पहल से कृषि से विकास को प्रभावी रूप में सुनिश्चित किया जा सकेगा। कृषि आज भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि इस पर ध्यान दिया जाता है तो भविष्य में आर्थिक विकास दर भी तेजी से बढेगी। इस दृष्टि से अंतरिम बजट के यह प्रावधान दीर्घकालीन विकास की सोच लिए हैं।

अंतरिम बजट में जल संरक्षण के लिए 'वाटर हार्वेस्टिंग संरचना' की जल स्वावलंबन योजना, विद्युत क्षेत्र में रूफटोप सोलर पैनल प्रोत्साहन के साथ सड़क विकास और हाईटैक सिटी के अन्तर्गत ई बसों की जो घोषणाएं की गई है उससे पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास को बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर यह बजट राजस्थान के सुनियोजित विकास के साथ उससे जुड़ी चुनौतियों और कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था से राजस्थान को उबारने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अंतरिम बजट का व्यावहारिक क्रियान्वयन भी सुनियोजित होगा।

– डॉ. अरुणा व्यास,
स्वतंत्र टिप्पणीकार

ए.एस.आई. ने पुत्र की शादी में दुल्हन पक्ष से शगुन में एक रुपया लिया

- शादी में मेहमानों को भी सामान्य भोज ही कराया
- इन्द्रदेव गुर्जर ने जहां बीएड तक की शिक्षा ग्रहण की है, वहीं दुल्हन मनीषा बीएड कर रही है

टोंक, (निसं)। समाजों में आम तौर पर शादी-विवाहों में दिखावे के तौर पर खूब पैसा खर्च किया जाता है। यहां तक कि लोग हेलीकॉप्टर से दुल्हन तक लाने में लाखों रूपया खर्च कर देते है लेकिन इसके विपरीत पुलिस महकमे में तैनात टोंक के संतोष नगर निवासी रामदेव गुर्जर ए.एस.आई. ने दुल्हन पक्ष से मात्र एक रूपया शगुन लेकर अपने पुत्र की शादी करवाई जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

उच्च शिक्षित दूल्हा एवं दुल्हन ही नहीं वरन खुद रामदेव गुर्जर का कहना है कि उनके इस कदम का मकसद युवाओं को भी दहेज प्रथा व शादियों में अनावश्यक खर्चे से दूरी बनाने का संदेश देना है। जानकारी के अनुसार रामदेव गुर्जर के पुत्र इन्द्रदेव गुर्जर ने जहां बीएड तक की शिक्षा ग्रहण की है, वहीं दुल्हन मनीषा बीएड कर रही है। कुछ दिनों पहले दुल्हन के परिवार के एक परिचित मिले एवं

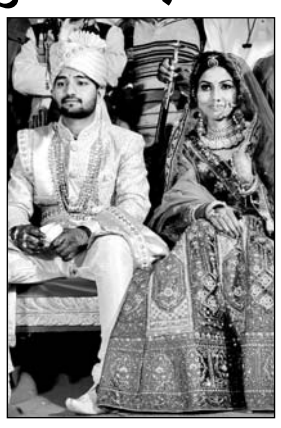

रामनगर जगन्नाथपुरा संगानेर निवासी गोपाल पोसवाल की सुपुत्री मनीषा के अविवाहित होने आदि की जानकारी दी। रामदेव ने सम्पर्क साधा एवं दहेज जैसी सामाजिक कुरूति को दूर करने की मंशा जताते हुये कहा कि उन्हें एक शिक्षित बहु चाहिये और कुछ नहीं। ऐसे में मात्र एक रूपया सगुन लेकर 14 फरवरी बसंत पंचमी को इन्द्रदेव की मनीषा से शादी करवा दी। इतना ही नहीं इस शादी में फालतू का दिखावा नहीं कर मेहमानों को भी सामान्य भोज ही कराया गया। इधर विवाह समारोह में शामिल होने आए मेहमानों के अलावा समाज बंधुओं ने भी सादगी से हुए इस विवाह की प्रशंसा की है। लोगों का कहना है कि सादगी से की गई शादी से बेटियों के पिता का आर्थिक बोझ कम होगा। इससे बेटियों के पिता उनकी शिक्षा की ओर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की कार्यशाला आयोजित

- के. के. गुप्ता की अध्यक्षता में पंचायत समिति मंडोर सभागार में आयोजित हुई कार्यशाला

जोधपुर, (कासं)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की जिला स्तरीय कार्यशाला शुक्रवार को पंचायत समिति मंडोर के सभागार में राजस्थान सरकार के प्रदेश समन्वयक और पूर्व सभापति नगर परिषद डूंगरपुर के. के. गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपतलाल सुथार, विकास अधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी और कार्मिक उपस्थित रहे।

गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बहुत बड़ा संकल्प है कि सम्पूर्ण देश स्वच्छ और स्वस्थ होना चाहिए। इसी परिकल्पना को साकार करते हुए हमारा देश विकसित देश की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं झाड़ू लेकर श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं।

गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का प्रथम बिंदु यह है कि गांव अथवा शहर में कहीं पर भी गली नुक्कड़ या घरों के बाहर कचरा पात्र नहीं रहना चाहिए। गीला और सूखा कचरा अलग-अलग कचरा पात्र में एकत्र होना चाहिए और ऐसे कचरा पात्र बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि जैसे सार्वजनिक स्थानों पर ही रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जोधपुर जिले में कुछ ग्राम पंचायत के निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह पाया कि यहां पर मैजिक पीट बनाए गए हैं जो सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। यहां की मिट्टी बलुई है इसलिए पानी तुरंत सोख लेती है। इसी प्रकार से तकनीकी अधिकारियों को अपनी दक्षता के साथ कार्य करते हुए ब्लैक वाटर और ग्रे वॉटर ट्रीटमेंट में भी अच्छे कार्य करने होंगे।

श्री रामदेव पशु मेला : पर्यटन विभाग की ओर से विभिन्न पशु प्रतियोगितायें हुई

- ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया
- 18 फरवरी तक आयोजित होंगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

नागौर, (निसं)। पशु मेला मैदान में आयोजित हो रहे श्री रामदेव पशु मेले (नागौर मेला) में पर्यटन विभाग द्वारा 15-18 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक योगेश कुमार ने बताया कि श्री रामदेव पशु मेले के आयोजन के दौरान पर्यटन विभाग द्वारा 15 फरवरी को श्री अमरसिंह राठौड़ की छतरियों पर नगाड़ा, शहनाई वादन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, वहीं 16 फरवरी को पशुमेला मैदान में प्रात: 11 बजे से ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मेले में आये हुए

मेले में ऊंट सजावट, ऊंट नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

पशुपालकों व ऊँटपालकों ने उत्साह से भाग लिया। अच्छा प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि 16 फरवरी को पशु मेला मैदान में सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न प्रख्यात राजस्थानी लोक कलाकारों द्वारा पारम्परिक राजस्थानी लोक संगीत एवं नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें मश्क वादन, कालबेलिया नृत्य, तेरहताली नृत्य, घूमर नृत्य एवं ब्रज की होली व मयूर नृत्य प्रमुख हैं।

पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक ने बताया कि मेले के आयोजन के दौरान 17 फरवरी को नागौर किले में हैरिटेज वॉक का आयोजन किया जायेगा। इसके साथ ही पशु मेला मैदान में अश्व नृत्य व मूंछ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा तथा शाम को ख्यातिप्राप्त कवियों द्वारा हास्य-व्यंग्य एवं श्रृंगार रस की रसधारा बहाई जायेगी। उन्होंने बताया कि 18 फरवरी को भी प्रात:काल अमर सिंह की छतरियों पर कठपुतली नृत्य का प्रदर्शन किया जायेगा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान-आदर्श स्थिति तो यह है कि जिन अतिक्रमणों से यातायात बाधित हो, वे होने ही नहीं दिए जाएं

महावीर सिंह

अतिक्रमण हटाओ कार्यक्रम के अंतर्गत

दिनांक 6 फरवरी को खातीपुरा से हसनपुरा मार्ग पर अमानीशाह नाले से जलदाय विभाग से आगे रेलवे पुलिया तक गाड़ियों का जाम लगा हुआ था। पुलिस जाब्ता, नगर निगम जयपुर के अधिकारी-कर्मचारी,गाड़िया लगी हुई थी। सड़क के दोनों तरफ वर्षों से लगी अस्थाई थड़िया, ठेले, टिन से बनी अस्थाई दुकान नुमा स्ट्रक्चर्स को हटाया जा रहा था। थड़ी, दुकानों के ऑवनर अपना स्टूल-कुर्सियां, स्टोव, बर्तन आदि जितना सामान बचा सकते थे, लेकर इधर से उधर ऑफर-तफरी में आ-जा रहे थे। ट्रैफिक रुक हुआ था, इसलिए घुमन्तु को लोगों से बात करने, लोगों के बीच चल रहे वार्तालाप सुनने का अवसर भी मिला।

एक आवाज जो बहुत से लोगों के मुँह से निकल रही थी वह थी-- यह थड़िया आदि तो दशकों से लगी हुई थी--हमेशा ही नगर निगम के छोटे-बड़े अधिकारी इधर आते रहे हैं--तो फिर यह थड़ियां लगी ही क्यों?

दूसरी आवाजें भी सुनाई दी--थड़िया कोई यों ही थोड़े ही लग जाती है--सब जन प्रतिनिधियों-निगम अधिकारियों की मिलीभगत- वोट ह या नकद लेनदेन से होता है।

कुछ यों भी सुनाई दिया--यह कोई हसनपुरा अकेले का मामला थोड़े ही है--बहुत सी सड़कों पर इस प्रकार के अस्थाई अतिक्रमण हैं--

साथ के दूसरे आदमी नें ऊंची आवाज में कहा, यह कोई अकेले जयपुर का ममला थोडे ही है, सारी नगर निकायों में करीब-करीब यही हाल है।

तीसरे आदमी नें कुछ भिन्न आवाज उठाई--आखिर गरीब आदमी परिवार चलाने के लिए यह सब करता है, उसके पास कोई बड़ी पूंजी नहीं होती, ओर कोई विकल्प नहीं होता, इसलिए थड़ी आदि लगाकर हजार-पांचसौ रोज कमाता है, तब परिवार को दाल-रोटी मिलती है--इनके लिए सरकारों के पास है कोई ओर विकल्प जिस से उनके परिवार की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति हो तो बताओ?

थोड़ी दूर पर एक सामाजिक कार्यकर्ता-नेता नुमा आदमी कुछ यों कहते सुना गया--जहां यातायात सुगम बनाने के लिए अतिक्रमण हटाया जाना जरूरी है, जरूर हटाएं किन्तु इन लोगों को अपना सामान, बिना नुकसान के हटाने का पर्याप्त समय दिया जाए।

ज्यादा अच्छा तो यह होगा कि इन लोगों को या तो अन्यत्र जगह देकर बैठाया जाए या घूम-घूम कर अपना धन्दा चलाने के लिए इनके लिए रूट तय करदें ताकि इनके सामने रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न न हो।

आगे उसने यों भी कहा कि जितने कोमर्सियल मॉल्स वगैरा बने है, उनमें से बहुत सों में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं। इतना ही नहीं बहुत से मॉल्स में पूरी बाउंड्री के आगे 2, 3 फिट ऊंचा और 4, 5, 6 लम्बा रैम्प बनाकर सड़कों पर अतिक्रमण किया हुआ है। इन रैम्पस पर मॉल्स में काम करने वाले कर्मचारी अपने वाहन खड़े कर देते है। ग्राहकों के वाहन सड़को पर अव्यवस्थित खड़े होते और यातायात अवरुद्ध करते है। इनकी तरफ कोई ध्यान क्यों नहीं देता?

10 दिन बाद घुमन्तु फिर हसनपुरा रोड से जा रहा था। स्थिति कुछ यों दिखी---अनुमानत: 15-20 थड़ियाँ-ठेले-सब्जी-फल-टी स्टाल आदि अपनी जगहों पर लगे थे। कुछ जगह खाई भी थी, वहां पर 1, 2 जगह रोड़ी, बजरी, ईट की ढेरियां लगी थी। कुछ अतिक्रमण मुक्त स्पेस में दुकानदारों नें अपना सामान जमाया हुआ था। एक राहगीर कहता जा रहा था, जिनकी सेटिंग थे, वे आ गये, दूसरे भी किसी न किसी प्रकार की सेटिंग बैठा ही लेंगे।

– महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

राशिफल शनिवार 17 फरवरी, 2024

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र प्रात: 8:46 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 1:43 तक, बव करण प्रात: 8:16 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मेष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रात: 8:16 तक है और प्रात: 8:46 से पुन: आरम्भ होगा। सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग प्रात: 8:46 से सूर्योदय तक है। रवियोग प्रात: 8:46 से आरम्भ होगा। आज दुर्गाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:30 से 9:53 तक, चर 12:41 से 2:04 तक, लाभ-अमृत 2:04 से 4:52 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 6:16

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

धनु
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।